भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3628
दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बहु औषधि प्रतिरोधी तपेदिक

3628. श्रीमती कमलेश जांगड़ेः
श्री बलभद्र माझीः
श्री राजकुमार चाहरः
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्री शंकर लालवानीः
श्री नव चरण माझीः
श्री तापिर गावः
श्री धर्मबीर सिंहः
डॉ. राजेश मिश्राः
कैप्टन बृजेश चौटाः
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणेः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री जनार्दन मिश्राः
श्री सुरेश कुमार कश्यपः
श्री अरुण गोविलः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री लुम्बाराम चौधरीः
श्री गजेन्द्र सिंह पटेलः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्री विनोद लखमशी चावड़ाः
श्रीमती कमलजीत सहरावतः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री कंवर सिंह तंवरः
श्रीमती भारती पारधीः
श्री भोजराज नागः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः
श्री पी. पी. चौधरीः
डॉ. के. सुधाकरः

श्री दिनेशभाई मकवाणाः
श्री जय प्रकाशः
श्री दिलीप शइकीयाः
श्री मनोज तिवारीः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने संपूर्ण देश में तपेदिक मुक्त भारत अभियान शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा बहु औषधि प्रतिरोधी तपेदिक (एमडीआर-टीबी), जहां उपचार का पूरा कोर्स पूरा करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है, के मामलों में तपेदिक रोगी द्वारा अपना उपचार कार्यक्रम पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है साथ ही इस संबंध में उपलब्ध कराए जा रहे वित्तपोषण का ब्यौरा क्या है;
(ग) तपेदिक मुक्त भारत अभियान का प्राथमिक लक्ष्य क्या है, साथ ही इसे प्राप्त करने के लिए लक्षित वर्ष क्या है;
(घ) तपेदिक मुक्त भारत अभियान बहु औषधि प्रतिरोधी तपेदिक (एमडीआर-टीबी) की चुनौतियों का किस प्रकार समाधान करता है;
(ङ) उत्तर प्रदेश के अमरोहा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के विशेष संदर्भ में तपेदिक संबंधी कलंक को मिटाने और शीघ्र स्वास्थ्य देखरेख व्यवहार का अनुसरण किए जाने को प्रोत्साहित करने के लिए क्या विशिष्ट जागरुकता अभियान और पहलें की जा रही हैं, साथ ही तपेदिक मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सीधी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कितने जागरूकता या स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं; और
(च) क्या सरकार का उक्त निर्वाचन क्षेत्र के विशेष संदर्भ में तपेदिक रोग की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सुवाह्य/हाथ में पकड़े जा सकने वाले एक्स-रे उपकरणों का क्रय करने और इनकी तैनाती करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (च): सरकार ने क्षयरोग से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में चिह्नित 347 प्राथमिकता वाले जिलों में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत, 347 जिलों (7 दिसंबर 2024 – 14 मार्च 2025) में 9.02 करोड़ कमजोर व्यक्तियों की जांच की गई और 3.01 लाख नए टीबी मामलों की पहचान की गई, जबकि 1.58 लाख टीबी रोगियों ने सफलतापूर्वक अपना इलाज पूरा किया।

सरकार ने राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत बहु-औषध प्रतिरोधी क्षयरोग (एमडीआर-टीबी) रोगियों का पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के लिए एक बहु-आयामी कार्यनीति कार्यान्वित की है। एमडीआर-टीबी रोगियों के निदान और उपचार में आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निम्नलिखित विशिष्ट उपाय किए हैं:

- सार्वभौमिक औषधि संवेदनशीलता परीक्षण (यूडीएसटी) यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है कि निदान किए गए प्रत्येक टीबी रोगी का निदान के समय ही औषधि प्रतिरोध संबंधी परीक्षण कर लिया जाए।
- देश के सभी जिलों को कवर करने के लिए आण्विक नैदानिक प्रयोगशालाओं की संख्या को बढ़ाकर न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट (एनएएटी) मशीनों को 8,295 तक बढ़ाना।
- बहु औषधि प्रतिरोध के निदान के लिए 100 लाइन प्रोब एस्से और 69 लिक्विड कल्चर टेस्टिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।
- देश में 6 नेशनल रेफरेंस लेबोरटरिज़ और 34 इंटरमिडिएट लेबोरटरिज़ स्थापित की गई हैं।
- सभी जिलों में 826 औषधि प्रतिरोधी टीबी उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं।
- वर्ष 2021 में, अल्पकालिक, सुरक्षित, सभी मुख से ली जाने वाली औषधि प्रतिरोधी टीबी उपचार रेजिमेन शुरू किए गए हैं।
- वर्ष 2024 में, औषधि प्रतिरोधी टीबी यूनिवर्सल के प्रबंधन के लिए बेडक्वीलाइन, प्रेटोमानीड, लाइनज़ोलिड और मोक्सीफ्लोक्सासिन से युक्त - चार-दवा संयोजन वाले नए, अल्पकालिक और अधिक प्रभावोत्पादक उपचार रेजिमेन (बीपीएएलएम) शुरू किया गया है
- एमडीआर-टीबी रोगियों सहित सभी क्षयरोगियों को पूरे उपचार के दौरान 1000 रुपये प्रति माह प्रदान करने के लिए एक पोषण सहायता योजना कार्यान्वित की गई है।

7 दिसंबर 2024 को शुरू किए गए 100 दिनों के गहन टीबी मुक्त भारत अभियान का प्राथमिक लक्ष्य टीबी के मामलों का शीघ्र पता लगाना, टीबी से संबंधित मृत्यु-दर को कम करना और कमजोर आबादी के बीच नए मामलों को नियंत्रित करना है।

जन भागीदारी के हिस्से के रूप में, जागरूकता बढ़ाने, कलंक को कम करने और कमजोर आबादी के बीच स्वास्थ्य की मांग संबंधी व्यवहार में सुधार करने के लिए समग्र सरकारी दृष्टिकोण के लिए प्रयास किए गए हैं। इस अभियान के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले और मध्य प्रदेश के सीधी जिले सहित सभी फोकस जिलों में निजी क्षेत्र, नागरिक समाज संगठनों, स्थानीय सामुदायिक स्वयं सेवकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भागीदारी से कमजोर आबादी को लाभ पहुंचाया गया है।

अभियान अवधि के दौरान,अमरोहा और सीधी जिलों में क्रमशः 4,324 और 2,456 नि-क्षय शिविर आयोजित किए गए थे, ताकि कमजोर आबादी को जागरूकता प्रदान की जा सके और उनकी जांच की जा सके।

अधिक बोझ वाले क्षेत्रों में हाथ से पकड़े जाने वाले एक्स-रे की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने केंद्रीय आपूर्ति के लिए खरीद को मंजूरी दे दी है। इसके अतिरिक्त, आवश्यकता के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से अधिप्राप्ति के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए है

*****